छोटी रोयेंदार बत्तख

जेन वॉटसन





एक सुबह-सुबह

एक छोटी रोयेंदार बत्तख टहलने गई.

वह धूप में चली. वह छाया में चली.



झाड़ी की वजह से बनी छाया में

उसकी मुलाकात दो फुर्तीले छोटे घोड़ों से हुई.



"हैलो," बत्तख ने कहा.

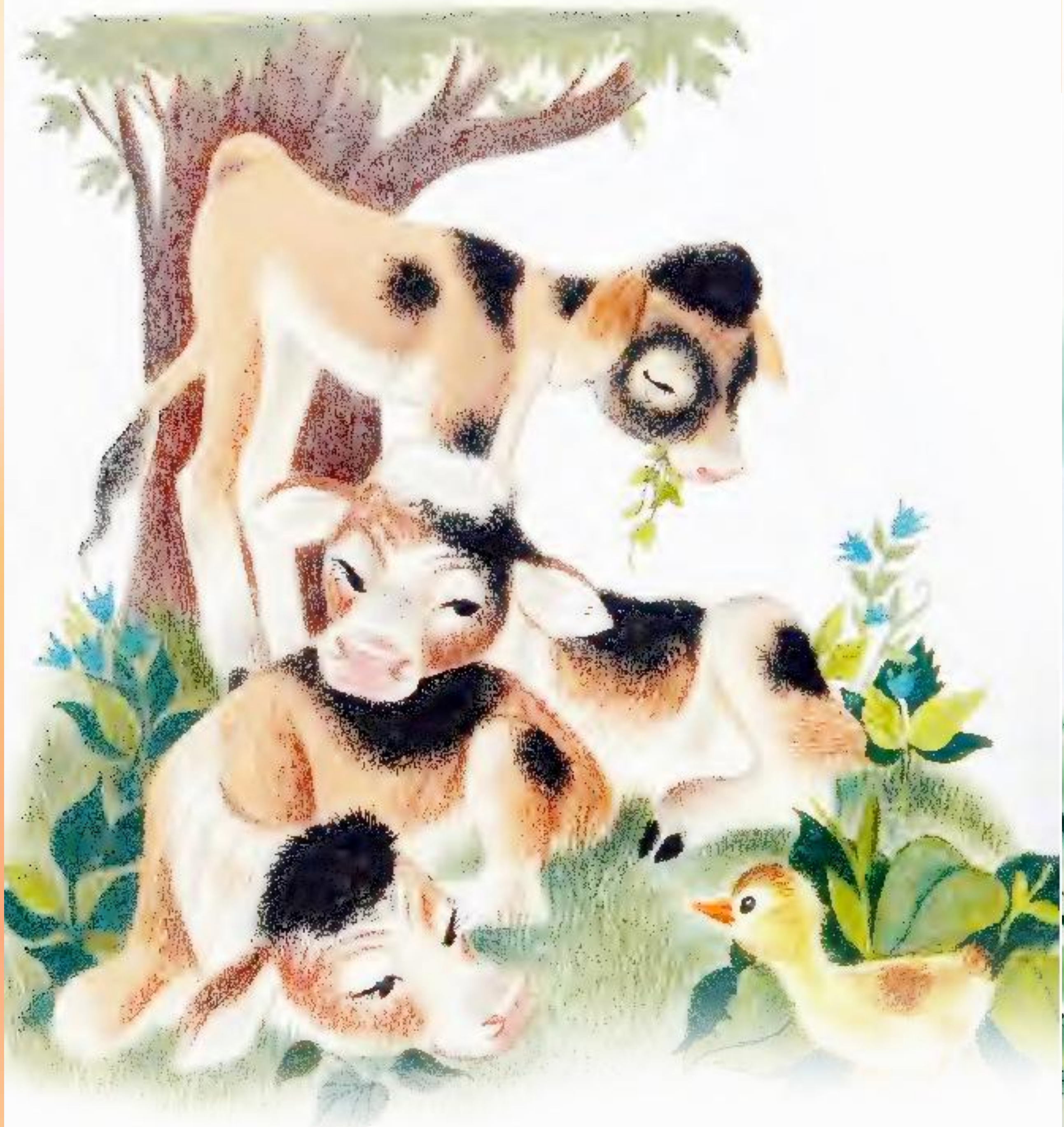
"क्या तुम मेरे साथ टहलने चलोगे?"



लेकिन उन दोनों फुर्तीले घोड़ों ने मना कर दिया.



इसलिए छोटा बत्तख का बच्चा
पहाड़ी के ऊपर अकेले चढ़ा.



वहाँ उसे तीन धब्बेदार गए के बछड़े मिले,

सभी छाया में आराम कर रहे थे.

"हैलो," बत्तख के बच्चे ने कहा.

"क्या तुम मेरे साथ टहलने चलोगे?"



लेकिन नींद में डूबे बछड़ों ने उससे मना कर दिया.

फिर बत्तख का बच्चा अकेले आगे बढ़ा.



उसे चार शोर मचाने वाली टर्की मिलीं

और पाँच सफ़ेद हंस



और छह जीवंत मेमने

उनके शरीर पर मुलायम ऊन था.



लेकिन उनमें से कोई भी छोटी बत्तख के बच्चे के साथ टहलने नहीं आया.

इसलिए वह अकेला ही आगे बढ़ा.



फिर उसे सात चंचल पिल्ले मिले





और आठ भूखे सूअर.
"क्या तुम मेरे साथ टहलने नहीं चलोगे?"
छोटे रोएँदार बत्तख के बच्चे ने पूछा.

"तुम्हें सीधे घर वापिस जाना चाहिए,"
सूअरों ने कहा.
"क्या तुम्हें नहीं पता कि यह खाने का समय है?"



"ओह," बत्तख के बच्चे ने कहा. "धन्यवाद."

लेकिन उसका घर किस तरफ़ था?



जब बत्तख का बच्चा काफी दुखी महसूस करने लगा,

तभी उसने पास की झाड़ियों में से एक आवाज़ सुनी...

और फिर नौ रोएँदार बत्तख के बच्चे

अपनी माँ बत्तख के साथ बाहर निकले.



"आखिरकार." माँ बत्तख ने कहा.

"हमारा खोया हुआ बच्चा मिल गया."



"तुम भी लाइन में लग जाओ," अन्य बत्तखों ने पुकारा.

"हम रात के खाने के लिए घर जा रहे हैं."



फिर खोया हुआ छोटा बत्तख का बच्चा भी लाइन में लग गया, और इस तरह दसों छोटे बत्तख के बच्चे रात के खाने के लिए घर गए.

"यह टहलने का सबसे अच्छा तरीका है," खुश छोटी, रोएँदार छोटी बत्तख ने कहा.

